

म.प्र. अस्पताल सहायक

जयशंकर प्रसाद

टाँप 40 प्रश्न

इससे बाहर कुछ नहीं आणगा





म.प्र. अस्पताल सहायक परीक्षा

★★★★★
आपकी सफलता
हमारा
लक्ष्य

 परीक्षा पैटर्न
पर आधारित

 अत्यंत महत्वपूर्ण
प्रश्न संग्रह

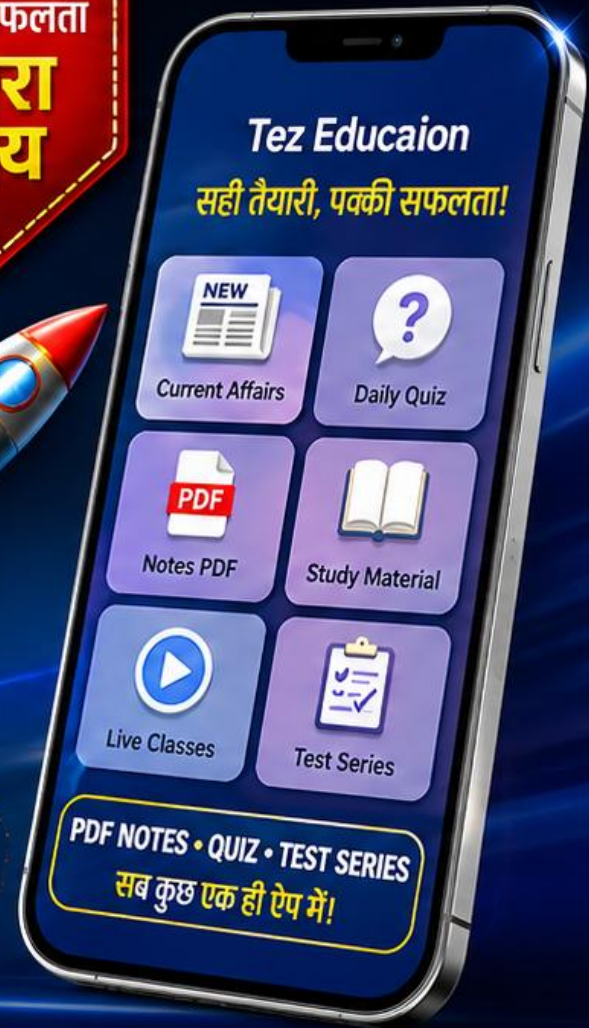
 PDF फॉर्मेट में
सुविधाजनक

 तुरंत डाउनलोड
करें, कहीं भी पढ़ें

2500 ब्रह्मास्त्र
प्रश्न PDF



मात्र **₹149/-** में



 **WhatsApp Group**
जरूर जॉइन करें!

नं.- **8223811131**

ऐप जरूर डाउनलोड करें -

Tez Education

GET IT ON
Google Play

म.प्र. अस्पताल सहायक भर्ती

ब्रह्मास्त्र तैयारी



YouTube क्लास

PDF डाउनलोड करें



छायावाद के चार स्तंभों में से एक, जयशंकर प्रसाद का काव्य हिंदी साहित्य की अमूल्य धरोहर है। उनका काव्य सौंदर्य, दर्शन और राष्ट्रप्रेम का अनूठा संगम है।

हिंदी साहित्य के छायावादी युग (लगभग 1918-1936) के चार प्रमुख स्तंभ कवि **जयशंकर प्रसाद**, **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'**, **सुमित्रानंदन पंत** और **महादेवी वर्मा** हैं। ये चारों कवि प्रेम, प्रकृति, कल्पना और आत्मचिंतन की अभिव्यक्ति के लिए जाने जाते हैं।

1. कवि परिचय (महत्वपूर्ण तथ्य)

- . जन्म: 1889, वाराणसी (उत्तर प्रदेश)।
- . प्रवृत्ति: छायावाद के प्रवर्तक।
- . मुख्य दर्शन: आनन्दवाद और समरसता (प्रत्यभिज्ञा दर्शन)।
- . उपनाम: उन्हें 'कलाधर' उपनाम से भी जाना जाता था (ब्रजभाषा की रचनाओं के लिए)।

2. काव्य की मुख्य विशेषताएँ

- . **छायावादी शैली:** उनकी कविताओं में प्रकृति का मानवीकरण, वैयक्तिकता और सूक्ष्म सौंदर्य का वर्णन मिलता है।
- . **प्रेम और सौंदर्य:** प्रसाद जी सौंदर्य के उपासक हैं, लेकिन उनका सौंदर्य शारीरिक न होकर मानसिक और आध्यात्मिक है।
- . **ऐतिहासिकता और राष्ट्रप्रेम:** उनकी रचनाओं में भारत के गौरवशाली अतीत के प्रति गहरा अनुराग दिखता है।
- . **दार्शनिकता:** उनका काव्य दुखों से मुक्ति और 'आनन्द' की प्राप्ति का मार्ग दिखाता है।

3. प्रमुख काव्य कृतियाँ (Major Works)

1. **कामायनी (1935)**: यह प्रसाद जी का सर्वश्रेष्ठ महाकाव्य है। इसमें 'मनु', 'श्रद्धा' और 'इड़ा' के माध्यम से मानव सभ्यता के विकास और आनन्दवाद की व्याख्या की गई है। (इसमें 15 सर्ग हैं)।
2. **आँसू**: इसे 'हिंदी का मेघदूत' कहा जाता है। यह एक विरह काव्य है।
3. **लहर**: यह एक मुक्तक काव्य संग्रह है, जिसमें 'अशोक की चिंता' और 'शेरसिंह का शस्त्र समर्पण' जैसी प्रसिद्ध कविताएँ हैं।

4. **झरना:** इसे छायावाद की प्रथम प्रयोगशाला माना जाता है।
5. **चित्रधारा:** इनकी ब्रजभाषा की रचनाओं का संग्रह।



2500 ब्रह्मास्त्र प्रश्न - मात्र ₹149/- Tez Education ऐप पर उपलब्ध

4. परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण One-Liners (60+ प्रश्न)

रचनाएँ और तिथियाँ

1. प्रश्न: जयशंकर प्रसाद किस वाद के प्रवर्तक माने जाते हैं?

उत्तर: छायावाद।

2. प्रश्न: 'कामायनी' का प्रकाशन वर्ष क्या है?

उत्तर: 1935 ई.।

3. प्रश्न: 'आँसू' किस प्रकार का काव्य है?

उत्तर: विरह प्रधान स्मृति काव्य।

4. प्रश्न: 'छायावाद की प्रथम प्रयोगशाला' किसे कहा जाता है?

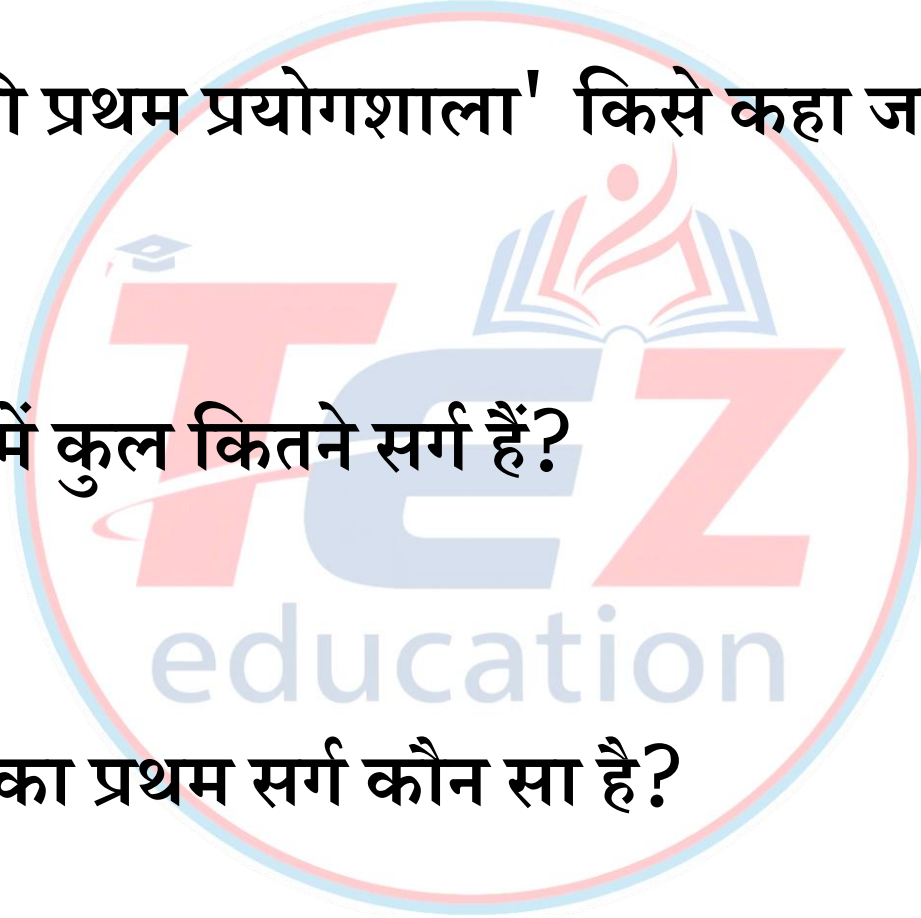
उत्तर: झरना (1918)।

5. प्रश्न: 'कामायनी' में कुल कितने सर्ग हैं?

उत्तर: 15 सर्ग।

6. प्रश्न: 'कामायनी' का प्रथम सर्ग कौन सा है?

उत्तर: चिंता।



7. प्रश्न: 'कामायनी' का अंतिम सर्ग कौन सा है?

उत्तर: आनंद।

8. प्रश्न: प्रसाद जी की उस रचना का नाम बताइए जो पहले ब्रजभाषा में थी फिर खड़ी बोली में हुई?

उत्तर: प्रेम-पथिक।

9. प्रश्न: 'कानन कुसुम' किसकी रचना है?

उत्तर: जयशंकर प्रसाद।

10. प्रश्न: 'महाराणा का महत्व' काव्य के लेखक कौन हैं?

उत्तर: जयशंकर प्रसाद।

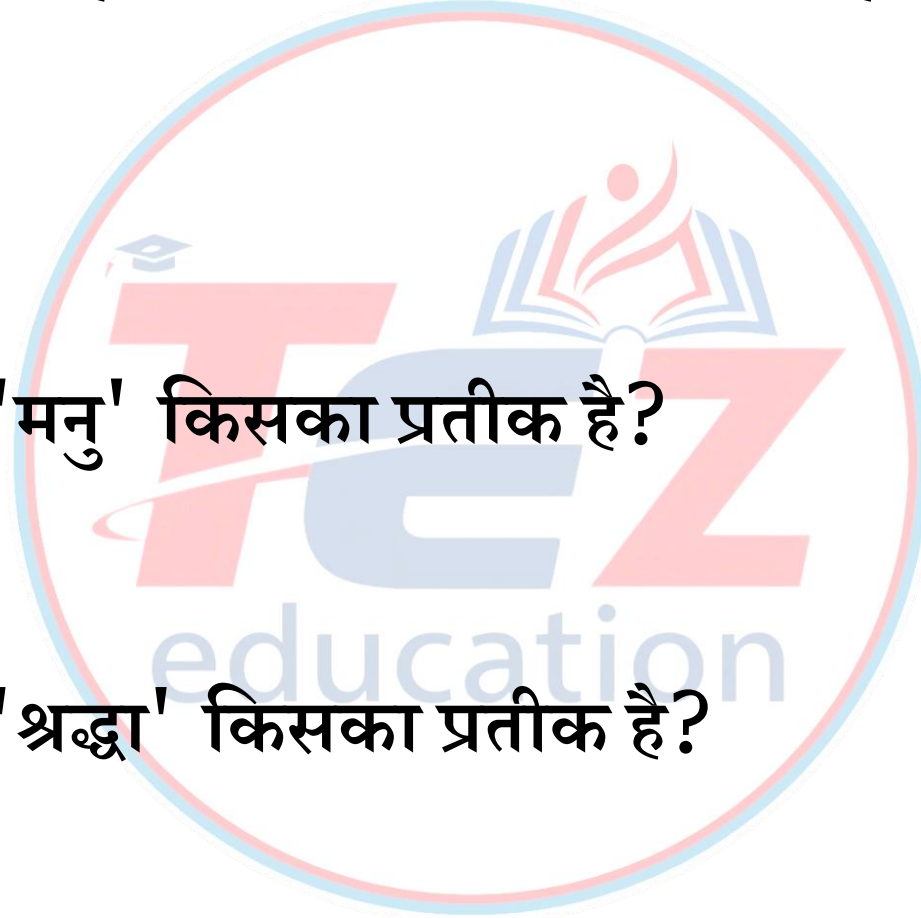
पात्र और दर्शन

11. प्रश्न: कामायनी में 'मनु' किसका प्रतीक है?

उत्तर: मन का।

12. प्रश्न: कामायनी में 'श्रद्धा' किसका प्रतीक है?

उत्तर: हृदय का।



13. प्रश्न: कामायनी में 'इड़ा' किसका प्रतीक है?

उत्तर: बुद्धि का।

14. प्रश्न: कामायनी का मुख्य दर्शन क्या है?

उत्तर: शैव दर्शन (आनन्दवाद)।

15. प्रश्न: 'बीती विभावरी जागरी' गीत किस काव्य संग्रह से लिया गया है?

उत्तर: लहर।

16. प्रश्न: 'आत्मकथ्य' कविता के कवि कौन हैं?

उत्तर: जयशंकर प्रसाद।

17. प्रश्न: 'हिमाद्रि तुंग श्रृंग से' प्रसिद्ध प्रयाण गीत किस नाटक का हिस्सा है?

उत्तर: चन्द्रगुप्त (काव्य रूप में प्रसिद्ध)।

18. प्रश्न: 'अरुण यह मधुमय देश हमारा' गीत किसने गाया है?

उत्तर: कार्नेलिया (चन्द्रगुप्त नाटक)।

19. प्रश्न: प्रसाद जी के काव्य में 'मधुचर्या' का क्या अर्थ है?

उत्तर: वैयक्तिक प्रेम और सौंदर्य की साधना।

20. प्रश्न: 'दुख की पिछली रजनी बीच, विकसता सुख का नवल प्रभात' —यह पंक्ति कहाँ से है?

उत्तर: कामायनी (श्रद्धा सर्ग)।
काव्य सौंदर्य और व्याकरण

21. प्रश्न: प्रसाद जी की भाषा शैली कैसी है?

उत्तर: संस्कृतनिष्ठ खड़ी बोली।

22. प्रश्न: 'आँसू' में किस छंद का प्रयोग हुआ है?

उत्तर: आनंद छंद (जिसे अब 'आँसू छंद' भी कहते हैं)।

23. प्रश्न: छायावाद की 'वृहत्रयी' में प्रसाद का कौन सा स्थान है?

उत्तर: प्रथम (ब्रह्मा)।

24. प्रश्न: 'कामायनी' को 'मानवता का रसात्मक इतिहास' किसने कहा?

उत्तर: नंददुलारे वाजपेयी।

25. प्रश्न: 'नील परिधान बीच सुकुमार, खिल रहा मृदुल अधखुला अंग' — यहाँ किसका वर्णन है?

उत्तर: श्रद्धा के सौंदर्य का।

26. प्रश्न: प्रसाद के काव्य में मुख्य रूप से कौन सा रस मिलता है?

उत्तर: श्रृंगार और शांत रस।

27. प्रश्न: 'लहर' में संकलित 'पेशोला की प्रतिध्वनि' किस स्थान से संबंधित है?

उत्तर: उदयपुर (राजस्थान)।

28. प्रश्न: प्रसाद की प्रथम छायावादी कविता कौन सी मानी जाती है?

उत्तर: प्रथम प्रभात।

29. प्रश्न: 'कामायनी' महाकाव्य का नायक कौन है?

उत्तर: मनु।

30. प्रश्न: 'छायावाद का उपनिषद' कामायनी को किसने कहा?

उत्तर: शांतिप्रिय द्विवेदी।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

31. प्रश्न: 'किरण' और 'तारा' जैसी प्रकृतिपरक कविताएँ किस संग्रह में हैं?

उत्तर: लहर।

32.प्रश्न: 'कामायनी' का मुख्य छंद कौन सा है?

उत्तर: तांटक छंद।

33.प्रश्न: प्रसाद जी ने 'इड़ा' को कहाँ की रानी बताया है?

उत्तर: सारस्वत प्रदेश की।

34. प्रश्न: 'समरसता' का सिद्धांत किस सर्ग में विस्तार से है?

उत्तर: आनंद सर्ग।

35.प्रश्न: 'हिमालय के आंगन में उसे प्रथम किरणों का दे उपहार' —पंक्ति के रचयिता?

उत्तर: जयशंकर प्रसाद।

36. प्रश्न: 'कामायनी' में मनु और श्रद्धा के पुत्र का नाम क्या है?

उत्तर: मानव।

37. प्रश्न: 'ले चल मुझे भुलावा देकर मेरे नाविक धीरे-धीरे'—इस पंक्ति पर किसका आरोप लगा था?

उत्तर: पलायनवाद का।

38. प्रश्न: 'घनीभूत पीड़ा' का वर्णन किस काव्य में प्रमुखता से है?

उत्तर: आँसू।

39. प्रश्न: प्रसाद जी की अंतिम काव्य रचना कौन सी है?

उत्तर: कामायनी।

40. प्रश्न: 'कामायनी' में किस पौराणिक कथा का आधार लिया गया है?

उत्तर: जल-प्लावन की कथा (शतपथ ब्राह्मण)।